

Ahmedabad Mill strike (1918)

- पृष्ठभूमि (Background):
- Occurred in Ahmedabad, Gujrat, in March 1918.
यह घटना मार्च 1918 में अहमदाबाद, गुजरात में हुई।
- Textile mill workers demanded higher wages.
वस्त्र मिल के मज़दूर अधिक वेतन की माँग कर रहे थे।
- Mill owners wanted to withdraw the plague bonus (extra payment given during plague epidemic) (मिल मालिक प्लेग बोनस (प्लेग महामारी के दौरान दिया गया अतिरिक्त भुगतान) वापस लेना चाहते थे।)
- Workers demanded a 50% wage hike; owners agreed to only 20%.
- Dispute intensified. (मज़दूरों ने 50% वेतन वृद्धि की माँग की, जबकि मालिक सिर्फ 20% वृद्धि पर सहमत थे — इसी कारण विवाद और गहरा गया।)

Key leaders

- Mahatma Gandhi : mediator and guide of the workers.
महात्मा गांधी : मज़दूरों के मध्यस्थ (समझौता कराने वाले) और मार्गदर्शक।
- Anasuya Sarabhai : prominent social worker who organized workers.
अनसूया साराभाई : प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता जिन्होंने मज़दूरों को संगठित किया।
- Ambalal Sarabhai : prominent mill owner (brother of Anasuya)
अंबालाल साराभाई : प्रसिद्ध मिल मालिक (अनसूया साराभाई के भाई)।

Outcome

- Tribunal appointed by the government recommended a 35% wage increased. (सरकार द्वारा नियुक्त न्यायाधिकरण ने 35% वेतन वृद्धि की सिफारिश की।)
- Workers accepted this and ended the strike peacefully.
- मज़दूरों ने इस निर्णय को स्वीकार किया और हड़ताल शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हुई।
- It became one of the earliest successful applications of Gandhian methods in labour movements. (यह श्रम आंदोलनों में गांधीवादी तरीकों के सबसे शुरुआती सफल प्रयोगों में से एक बना।)

Kheda Satyagraha

(1918)

100th-
25th

- Took place in Kheda district of Gujrat in 1918.
यह आंदोलन 1918 में गुजरात के खेड़ा ज़िले में हुआ।
- That year, crops failed due to drought and famine-like conditions.
/ उस वर्ष सूखे और अकाल जैसी परिस्थितियों के कारण फसलें बुरी तरह चौपट हो गई थीं।
- According to revenue rules, peasants were exempt from tax if their crops produced less than one-fourth of the normal yield.
/ राजस्व नियमों के अनुसार, यदि फसल सामान्य उत्पादन के एक-चौथाई से भी कम होती है, तो किसानों को कर (राजस्व) से छूट मिलती है।
- Despite this, the British insisted on collecting full land revenue.
इसके बावजूद ब्रिटिश सरकार ने पूरा भू-राजस्व वसूलने पर जोर दिया।

Key leaders

- Mahatma Gandhi : led the movement and guided the peasants.
महात्मा गांधी : आंदोलन का नेतृत्व किया और किसानों का मार्गदर्शन किया।
- Sardar Vallabhbhai Patel : played a crucial organizational role.
सरदार वल्लभभाई पटेल : संगठनात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- Indulal Yagnik, shankarlal Banker, and others supported mobilization.
इंदुलाल याज्ञिक, शंकरलाल बैंकर और अन्य नेताओं ने जनसंगठन में सहयोग दिया।

Significance

- **First Satyagraha involving peasants on a large scale under Gandhi.**
गांधी के नेतृत्व में किसानों से जुड़ा पहला व्यापक सत्याग्रह था।
- **Established Sardar Patel as a national leader.**
इस आंदोलन ने सरदार पटेल को एक राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित किया।
- **Strengthened the faith of common people in non-violent resistance.**
आम जनता का अहिंसक प्रतिरोध पर विश्वास और मजबूत हुआ।
- **Marked Gandhi's consolidation as a mass leader after Champaran and Ahmedabad. / चंपारण और अहमदाबाद के बाद यह आंदोलन गांधी के जन-नेता के रूप में सुदृढ़ होने का महत्वपूर्ण चरण बना।**

Montague – Chelmsford Reform

- In August 1917, the British Government made the historic Montagu Declaration stating that its policy was the *"gradual development of self-governing institutions in India with a view to progressive realization of responsible government"*. (अगस्त 1917 में ब्रिटिश सरकार ने ऐतिहासिक मॉण्टेग्यू घोषणा जारी की, जिसमें कहा गया कि भारत में उनकी नीति "जिम्मेदार सरकार की क्रमिक प्राप्ति के उद्देश्य से स्व-शासित संस्थाओं का धीरे-धीरे विकास" करना है।)
- To implement this, Edwin Montagu (secretary of State for India) and Lord Chelmsford (viceroy of India) prepared a report. (इस नीति को लागू करने के लिए एडविन मॉण्टेग्यू (भारत के सचिव) और लॉर्ड चेम्सफोर्ड (भारत के वायसराय) ने एक रिपोर्ट तैयार की।)
- This report led to the Government of India Act, 1919.
- इसी रिपोर्ट के आधार पर भारत सरकार अधिनियम, 1919 (Government of India Act, 1919) बनाया गया।

Key features

- Introduction of Diarchy in Provinces.
प्रांतों में द्वैध शासन (Diarchy) की शुरुआत की गई।
- Provincial subjects divided into Transferred and Reserved categories : (प्रांतीय विषयों को दो श्रेणियों में बाँटा गया: हस्तांतरित (Transferred) और आरक्षित (Reserved) विषय।)

Transferred List

Handled by Indian ministers responsible to the legislative council (इन विषयों का संचालन भारतीय मंत्रियों द्वारा किया जाता था, जो विधायी परिषद के प्रति उत्तरदायी थे:)

- Education / शिक्षा ✓
- Public health & sanitation / सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता ✓
- Local self-government / स्थानीय स्वशासन ✓
- Agriculture / कृषि ✓
- Public works (local) / सार्वजनिक कार्य (स्थानीय) ✓
- Excise / आबकारी ✓

Key features

Reserved list



Handled by Governor and his executive council (not responsible to legislature) इन विषयों का नियंत्रण गवर्नर और उसकी कार्यकारिणी परिषद के हाथ में था (ये विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं थे):

- Law & order, police (कानून-व्यवस्था, पुलिस)
- ✓ • Finance (वित्त) ✓
- ✓ • Revenue (राजस्व) ✓
- ✓ • Irrigation (सिंचाई) ✓
- ✓ • Forests (वन) ✓
- ✓ • Diarchy was introduced only at the provincial level
- द्वैध शासन (Diarchy) केवल प्रांतीय स्तर पर ही लागू किया गया था।

Hindustan Socialist Republican Association (1928)

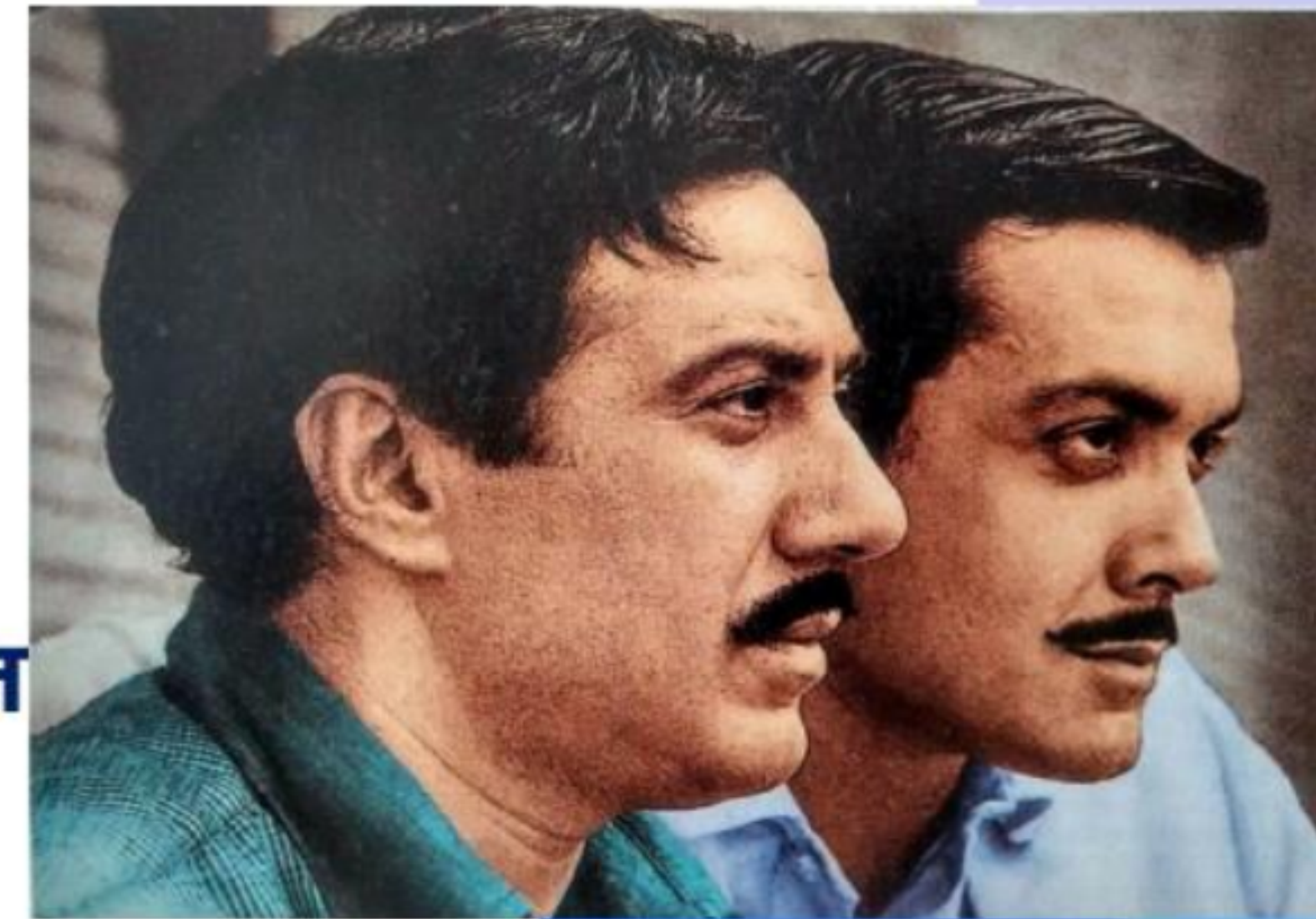
- Establishment: 1928 (स्थापना: 1928)
- Main Leaders: Chandra Shekhar Azad, Bhagat Singh, Sukhdev, Rajguru etc.
- प्रमुख नेता : चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु आदि
- Venue: Firoz shah Kotla (Delhi)
- स्थान : फ़िरोज़शाह कोटला (दिल्ली)



- J P Saunders as killed by Bhagat Singh on 17th December 1928.
- जे. पी. सॉन्डर्स की हत्या भगत सिंह द्वारा 17 दिसंबर 1928 को की गई।
- As a result, later on some time Bhagat Singh, Sukhdev and Rajguru were hanged on 23rd March 1931. (इसके परिणामस्वरूप कुछ समय बाद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च 1931 को फाँसी दे दी गई।)

Bhagat Singh Surrender (भगत सिंह का सरेंडर (आत्मसमर्पण):)

- Date: 8th April 1929 / तारीख: 8 अप्रैल 1929
- Venue: Central Legislative assembly
- स्थान: सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली
- Reason: Thrown Crude bomb and leaflets into Assembly.
- कारण: असेंबली के भीतर क्रूड बम (कच्चा बम) और पर्चे (leaflets) फेंकना



Bhagat Singh Jail Tenure

- According to AG Noorani's bestselling book on the trial of Bhagat Singh, Sobha Singh had later testified in court as a prosecution witness. He claimed to have seen the two youth throw the bombs. (ए. जी. नूरानी की भगत सिंह के मुकदमे पर आधारित बेस्टसेलिंग पुस्तक के अनुसार, सोभा सिंह ने बाद में अदालत में अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में गवाही दी। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने दो युवकों को बम फेंकते हुए देखा था।)



- Bhagat Singh underwent a hunger strike in the Mianwali Jail, now in Pakistan, for 112 days, one of the world's longest hunger strikes at that time. Bhagat Singh, along with other inmates, demanded the status of 'political prisoners' and other basic amenities in jail.
- भगत सिंह ने मियाँवाली जेल (जो अब पाकिस्तान में है) में 112 दिनों तक भूख हड़ताल की—जो उस समय विश्व की सबसे लंबी भूख हड़तालों में से एक थी। भगत सिंह ने अन्य कैदियों के साथ मिलकर 'राजनीतिक कैदी' का दर्जा और जेल में अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग की थी।



- Bhagat Singh was an Indian socialist revolutionary whose two acts of dramatic violence against the British in India and execution at age 23 made him a folk hero of the Indian independence movement./ भगत सिंह एक भारतीय समाजवादी क्रांतिकारी थे जिनके द्वारा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध किए गए दो नाटकीय हिंसात्मक कार्यों और मात्र 23 वर्ष की आयु में उनकी फाँसी ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक लोकनायक (लोक नायक) बना दिया।

- Born: 28 September 1907, Banga, Pakistan
- जन्म: 28 सितंबर 1907, बाँगा (अब पाकिस्तान)
- Died: 23 March 1931, Lahore Central Jail, Lahore, Pakistan
- Education: National College, Lahore, Dayanand Anglo-Vedic Schools System / शिक्षा: नेशनल कॉलेज लाहौर, दयानंद एंग्लो-वैदिक स्कूल सिस्टम ✓
- Parents: Sardar Kishan Singh Sandhu, Vidyavati
- माता-पिता: सरदार किशन सिंह संधू, विद्यावती ✓

Judge
G. C. Hilton

Bhagat Singh

फाँसी
24 March 1931



Alfred Park

- It is the biggest park in Allahabad. It was renamed after freedom fighter Chandra Shekhar Azad, who sacrificed his life here, during the Indian independence struggle in 1931. / यह इलाहाबाद का सबसे बड़ा पार्क है। इसका नाम स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आज़ाद के नाम पर रखा गया, जिन्होंने 1931 में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यहीं पर अपने प्राणों की आहुति दी थी।

